मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 210, मुंबई, गुरुवार, 29 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

कोरोना प्रोटोकॉल और सुरक्षा के साथ अब सभी के लिए चलेगी...

MUMBAI LOCAL TRAIN

विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, आम लोगों को पहली ट्रेन के संचालन से सुबह साढ़े सात बजे तक यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। इसके बाद सुबह 8 से 10 .30 बजे तक आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को ट्रेन में यात्रा करने की इजाजत होगी। आम लोग सुबह 11 से 4 .30 बजे तक फिर से ट्रेन में टिकट या पास लेकर यात्रा कर सकेंगे। इसके बाद 5 से 7 .30 बजे तक का वक्त फिर आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए होगा। सभी के बाद रात 8 बजे से लास्ट लोकल तक का समय फिर आम लोगों के लिए होगा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में लोकल ट्रेनों के संचालन के लिए रेलवे को प्रस्ताव भेजते हुए ट्रेनों को शुरू करने की अनुमति मांगी है। सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सेक्रेटरी किशोर राजे निंबालकर ने इस संबंध में मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे और रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्ताव भेजते हुए ट्रेनों के संचालन की इजाजत मांगी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

रेलवे को भेजा गया प्रस्ताव

बिना निर्देश परीक्षा कराना बंद करें स्कूल, शिक्षा उपनिदेशालय का स्कूलों को परीक्षा और शिक्षकों को लेकर निर्देश

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

बिहार चुनाव में कॉन्ट्रोवर्सी

अमीषा पटेल का लोजपा कैंडिडेट पर आरोप– ब्लैकमेल करके भीड़ में उतारा...

'मेरा रेप भी हो सकता था'

मुंबई। ओबरा सीट से लोजपा उम्मीदवार डॉ. प्रकाश चंद्रा ने अमीषा पटेल को अपना प्रचार करने के लिए बुलाया था। लेकिन, शाम होते ही जब अमीषा मुंबई लौटने की बात कहने लगीं, तो डॉ. प्रकाश ने उन्हें गांव में ही अकेले छोड़ देने की धमकी दी। अमीषा का आरोप है कि शाम को उन्हें मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन डॉ. चंद्रा ने उनसे जबरदस्ती प्रचार करवाया। वहां मेरा रेप भी हो सकता था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

परीक्षा का पहला चरण

यह चुनाव का नहीं, परीक्षा का पहला चरण है। आमतौर पर मतदान राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए परीक्षा का समय होता है। इसमें सत्ताधारी दल को अपने कार्यकाल की सार्थकता साबित करने का मौका मिलता है और दूसरी बात, उसका विरोध करने वालों को अपने मुद्दों और जनता से जुड़ाव के जरिए उसे कुर्सी से हटाने का मौका मिलता है। लेकिन इस बार का चुनाव काफी अलग है, इसमें बिहार प्रशासन की परीक्षा भी है, चुनाव आयोग की भी है और एक तरह से पूरे बिहार की भी। यह कोरोना काल का पहला चुनाव है और बहुत सारी आशंकाओं व तमाम किंतु-परंतु के बीच यह चुनाव हो रहा है। अगर दूसरे प्रदेशों को देखें, तो इस पूरे दौर में बिहार कोरोना संक्रमण के बहुत ज्यादा विस्तार से अपने आप को बचाने में कामयाब रहा है। चुनाव के तमाम हंगामों के बीच संक्रमण के दोबारा फैलने की आशंकाएं बहुत ज्यादा हैं, और इसके लिए चुनाव आयोग ने कई इंतजाम भी किए हैं। यानी आज जो लोग वोट देने जा रहे हैं, उन्हें सिर्फ अपनी सरकार ही नहीं चुननी, बल्कि कोरोना के खतरे को भी मात देनी है। यही चुनौती प्रशासन के सामने भी है। इन सभी की यह चुनौती इसलिए और भी बढ़ जाती है, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान आमतौर पर कोरोना से बचाव के एहतियाती कदमों का बहुत ज्यादा ध्यान नहीं रखा जाता है। बिहार उन राज्यों में भी है, जो कोरोना काल के दौरान शुरू हुए लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। सबसे ज्यादा कष्ट बिहार के प्रवासी मजदूरों को ही झेलने पड़े हैं। उनमें से ज्यादातर मजदूर अभी तक बिहार में ही हैं और उनका क्या रुख रहेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन उनके साथ जो हुआ, उसकी अभिव्यक्ति एक दूसरे रूप में मुद्दा बनकर जरूर सामने है। यह ऐसा चुनाव बन गया है, जिसमें सभी दलों को किसी न किसी तरह से रोजगार की बात करनी पड़ रही है। भले ही वह भाजपा के अपने घोषणापत्र में रोजगार के 19 लाख अवसर पैदा करने की बात हो या फिर राजद के सीधे 10 लाख नौकरियां देने की बात हो। रोजगार का मसला बिहार में इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यहां मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग युवा ही है। इतना ही नहीं, देश के सबसे ज्यादा युवा मतदाता बिहार में ही हैं। इसे देखते हुए यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार ये युवा जाति और धर्म की पुरानी जकड़बंदियों को तोड़ते हुए मतदान करेंगे। पूरे देश के युवा आज बिहार की ओर देख रहे हैं। यह बिहार के लिए अनुकरणीय बनने का एक मौका भी है। देश के तमाम नेताओं-कार्यकर्ताओं की निगाह बिहार पर है, बिहार के मतदाताओं को अच्छे उम्मीदवारों को चुनकर जवाब देना चाहिए। देश के किसी दूसरे राज्य में चुनाव हो, तो लोगों से यह अपील करनी पड़ती है कि वे भारी संख्या में मतदान स्थल पर पहुंच कर मतदान करें, लेकिन बिहार की जनता जिस तरह से राजनीतिक रूप से सजग है, उसके रहते शायद इसकी बहुत जरूरत नहीं है। जिन 16 जिलों में आज मतदान हो रहा है, उसके नतीजे चाहे जो भी हों, लेकिन एक बात पूरे विश्वास से कही जा सकती है कि इन सभी जगहों पर लोग भारी संख्या में मतदान करने खुद ही पहुंच चुके होंगे। मास्क लगाने से लेकर सामाजिक दूरी तक का जो उदाहरण ये लोग पेश करेंगे, बाकी दो चरणों में भी उसी की पालना होगी।

टीआरपी की खतरनाक होड़

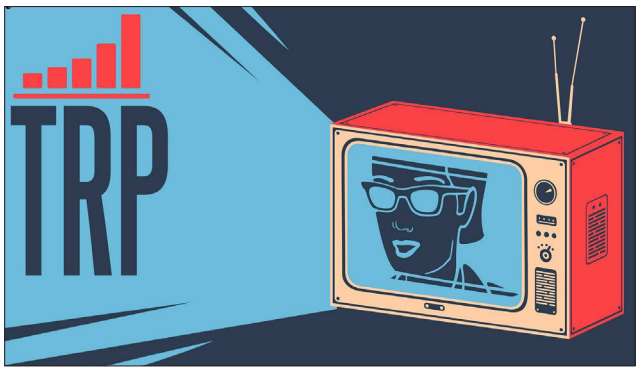

पिछले दिनों मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के एक वर्ग से नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा कि जब आप ही जांचकर्ता, अभियोजक और जज बन जाएंगे तो अदालतों की क्या जरूरत है? दरअसल न्यायालय एक जनहित मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें सुशांत सिंह प्रकरण से जुड़े विषयों पर मीडिया ट्रायल रोकने की मांग की गई है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की ओर से जब अभिव्यक्ति की आजादी का हवाला देते हुए यह कहा गया कि इससे इस प्रकरण की गुत्थी सुलझने में मदद मिली है तो अदालत ने कानून पढने की सलाह देते हुए उसके मुताबिक आचरण करने की नसीहत दी। सुशांत-रिया प्रकरण और अब टीआरपी यानी टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट से जुड़े विवाद ने अदालत को सख्त टिप्पणी करने को मजबूर किया। इसकी शुरूआत तो आपराधिक घटनाओं की तथ्यात्मक रिपोर्टिंग से हुई थी, लेकिन टीआरपी के लालच ने इसे सनसनीखेज रिपोर्टिंग में तब्दील कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कोई भी हथकंडा अपनाने से गुरेज नहीं किया जा रहा है। टीवी चैनलों की वजह से लोग अदालत के निर्णय से पहले ही समाज की निगाहों में अपराधी बना दिए जा रहे हैं। यह अन्याय की पराकाष्ठा है। यह सब कुछ शुद्ध रूप से व्यापार बढ़ाने के लिए किया जा रहा है, किंतु इसका दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ ली जा रही है। मीडिया ट्रायल न्यायालय की अवमानना की परिधि में आता है। इसके माध्यम से किसी के पक्ष में या उसके खिलाफ एक माहौल तैयार होता है, जो अदालत के कामकाज में हस्तक्षेप है। यह 1971 के न्यायालय की अवमानना कानून की धारा 2(सी) के खंड तीन के अंतर्गत दंडनीय अपराध है, किंतु इस पर कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। वास्तव में स्वतंत्र न्याय प्रशासन उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि स्वतंत्र प्रेस। दोनों ही समाज के लिए जरूरी हैं, परंतु मीडिया को न्यायिक व्यवस्था में दखलंदाजी की अनुमति नहीं दी जा सकती।

हर अभियुक्त का यह अधिकार है कि उसके मुकदमे का स्वतंत्र और निष्पक्ष विचारण हो। अभियुक्त का यह भी अधिकार है कि जब तक उसके मुकदमे का निर्णय नहीं आ जाए, तब तक जनता और अदालत के मन में उसके प्रति पूर्वाग्रह पैदा न किया जाए, लेकिन मीडिया ट्रायल के कारण इसका ठीक उलटा हो रहा है। ब्रिटेन में 1981 में शेरिंग केमिकल्स बनाम फॉकमैन के मुकदमे में मीडिया ट्रायल और अभिव्यक्ति की आजादी के अंतरसंबंधों को स्पष्ट किया गया था। लॉर्ड डेनिंग ने कहा था कि अभिव्यक्ति की आजादी स्वतंत्रता की आधारशिला है, किंतु इसे लेकर यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि उसे किसी की प्रतिष्ठा को नष्ट करने, भरोसा तोडने या न्याय की धारा को दूषित करने की भी आजादी मिली हुई है। मीडिया ट्रायल पर लगाम लगाने के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। तब न्यायालय ने कहा था कि जब भी किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का मुकदमा शुरू होता है तो मीडिया के कुछ लोगों की दखलंदाजी काफी हद तक बढ़ जाती है। इससे अदालतों तथा अभियोजकों के ऊपर गहरा असर पड़ता है। उनकी वस्तुनिष्ठता को गहरी चोट पहुंचती है। इस पर तुरंत अंकुश लगाने की जरूरत है। इसी तरह की चिंता सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में एमपी लोहिया बनाम पश्चिम बंगाल नामक मुकदमे में भी व्यक्त की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में दखलंदाजी मानते हुए संबंधित लोगों को कड़ी फटकार लगाई थी और आगाह किया था। अदालत की ऐसी अनगिनत फटकारों के बावजूद टीवी चैनलों द्वारा टीआरपी के लालच में मीडिया ट्रायल की प्रवृत्ति घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। विश्व के दूसरे लोकतांत्रिक देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन तथा कनाडा में मीडिया ट्रायल जैसी परिस्थितियों के नियमन के लिए कानून हैं, मगर अभी हमें इसमें सफलता नही मिल पाई है। अपने यहां 1994 से 2006 तक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के नियमन के लिए कानून बनाने के कम से कम सात प्रयास किए गए थे। 2006 के विधेयक में न केवल मीडिया ट्रायल और अदालती अवमानना को रोकने, अपितु राष्ट्र की एकता, अखंडता, सुरक्षा, कानून व्यवस्था तथा अपराध को उकसाने वाले प्रसारणों के नियमन की भी व्यवस्था गई थी, किंतु उसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमले के रूप में निरूपित करके ऐसा परिवेश तैयार किया गया कि सरकार ने अपने पैर पीछे खींच लिए। तर्क दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को किसी बाहरी नियमन की जरूरत नहीं है। वह आत्म नियमन करने में सक्षम है और उस पर भरोसा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ महीनों के घटनाक्रमों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में पुनः एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें अदालत से मांग की गई है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के नियमन के लिए एक संस्था गठित करने के लिए वह केंद्र सरकार को दिशा-निर्देश जारी करे। इसके विरोध में एक बार फिर आत्म नियमन का तर्क दिया जा रहा है। आत्म नियमन के अधिकार का आग्रह लोकशाही के आधारभूत सिद्धांतों के विरुद्ध है। आत्म नियमन की मांग का तात्पर्य स्वच्छंदता की मांग करने के बराबर होता है। लोकतंत्र किसी को इतना अधिकार संपन्न बनने की अनुमति नहीं देता कि वह उसका दुरुपयोग कर सके। लोकशाही नियंत्रण और सामंजस्य के सिद्धांत पर चलती है इसलिए राष्ट्रपति, न्यायाधीश को भी संविधान और नियम के दायरे में रखने की व्यवस्था की गई है। संविधान विरुद्ध कार्य करने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। अनियंत्रित अधिकार संपन्नता निरंकुश होने की पृष्ठभूमि तैयार करती है। समाज तथा स्वयं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की साख के लिए यह जरूरी है कि एक व्यापक कानून लाया जाए, जिससे टीआरपी के लोभ में मीडिया ट्रायल जैसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगे।

हंगर इंडेक्स की हकीकत

हाल में कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्टहंगरहिल्फे द्वारा प्रकाशित 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2020' रिपोर्ट जारी हुई। इसके अनुसार भारत में भुखमरी की स्थिति गंभीर है और उसका स्थान 107 देशों की सूची में 94वां है। पिछले वर्ष की तुलना में इसमें कुछ सुधार हुआ है। बावजूद इसके पड़ोसी देशों जैसे नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान से अभी भारत पीछे है। जैसे ही यह रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, वैसे ही भारतीय मीडिया-विशेषकर अंग्रेजी मीडिया ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित/प्रसारित किया। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इसी रिपोर्ट को आधार बनाकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। क्या किसी ने इस रिपोर्ट और इसके रचनाकार संगठनों की प्रमाणिकता को जांचा या खोजबीन की?

वेल्टहंगरहिल्फे और कंसर्न वर्ल्डवाइड, दोनों संगठनों की उत्पत्ति 1960-70 के दौरान रोमन कैथोलिक चर्च और ईसाई मिशनरियों ने की थी, जिनका भूत, वर्तमान और भविष्य भय, लालच, प्रलोभन के माध्यम से मतांतरण में लिप्त है। कंसर्न वर्ल्डवाइड की स्थापना आयरिश ईसाई मिशनरी के कहने पर 1968 में तब हुई थी, जब नाइजीरिया को ब्रिटिश उपनिवेश से मुक्ति मिले आठ वर्ष हो चुके थे और उस समय वह भीषण गृह युद्ध की चपेट में था। इस अफ्रीकी देश में वर्ष 1914-60 के ब्रिटिश राज के दौरान ईसाइयत का प्रचार हुआ, जो अब भी जारी है। इसी तरह जर्मनी स्थित वेल्टहंगरहिल्फे नामक संगठन की स्थापना 1962 में पूर्वी जर्मनी के तत्कालीन राष्ट्रपति और रोमन कैथोलिक चर्च के सदस्य हेनरिक लुब्के ने की थी। वर्तमान में इस संस्था का नेतृत्व मरलेह्न थिएमे के हाथों में है, जो 2003 से जर्मन ईसाई धर्म प्रचार चर्च परिषद से जुड़ी हुई हैं। चर्च के अतिरिक्त कैथोलिक बिशप कमीशन, जर्मनी के वामपंथी राजनीतिक दल (डी-लिंक) और वाम-समथत व्यापारिक संघ इसके प्रमुख सदस्य हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
29 अक्टूबर, 2020

03

बिना निर्देश परीक्षा कराना बंद करें स्कूल, शिक्षा उपनिदेशालय का स्कूलों को परीक्षा और शिक्षकों को लेकर निर्देश

संवाददाता

मुंबई। राज्य में स्कूलों में त्रैमासिक और अर्धवार्षिक परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने कोई निर्देश नहीं दिए हैं। इसीलिए स्कूल बिना किसी निर्देश के परीक्षा का आयोजन न करें और परीक्षा को लेकर जल्दबाजी न करें। यह निर्देश मुंबई विभाग के शिक्षा उपनिदेशक अनिल साबले ने दिए हैं। शिक्षक भारती के कार्याध्यक्ष सुभाष मोरे ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते राज्य में स्कूल और कॉलेज बंद हैं। स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई और शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सरकार ने जीआर जारी कर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके बावजूद कई स्कूल शिक्षकों को स्कूल में हाजिरी के लिए दवाब बना रहे

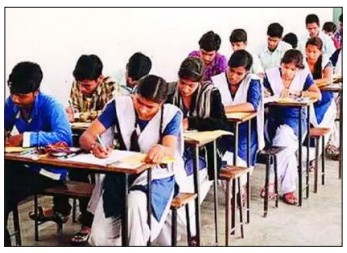

हैं और नहीं आने पर हाजिरी नहीं लगाने की बात कर रहे थे। साथ ही, कुछ स्कूल त्रैमासिक और अर्धवार्षिक परीक्षा के आयोजन को लेकर अभिभावकों पर दवाब बना रहे थे। इसकी शिकायत शिक्षा विभाग से की गई थी। इस पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा उपनिदेशालय ने स्कूलों से कहा है कि वे 24 जून के जीआर का पालन करें। उसमें शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर निर्देश दिए गए हैं, उसी के अनुरूप शिक्षकों को सिर्फ ऑनलाइन पढ़ाई के लिए कंटेंट तैयार करने आदि के लिए बुलाएं। इस जीआर में शिक्षकों को स्कूल में जाने के लिए बाध्यता नहीं है। सिर्फ जरूरी काम होने पर मुख्याध्यापकों के बुलाने पर ही स्कूल जाने के लिए कहा गया है।

शिक्षकों ने मनमानी पर जताया था एतराजः स्कूलों के मैनेजमेंट और मुख्याध्यापकों द्वारा स्कूल में शिक्षकों के हाजिरी लगाने के लिए दवाब बनाने की शिकायत मिलने पर शिक्षक संगठनों ने एतराज जताया था। इसके खिलाफ शिक्षा विभाग को सूचित करके तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की थी, क्योंकि ट्रेन में शिक्षकों को सफर करने की अनुमति नहीं मिलने की वजह से उन्हें स्कूल पहुंचने के लिए हर दिन दो से तीन हजार निजी गाड़ियों पर खर्च करने पड़ते थे। आखिरकार कई संगठनों की तरफ से शिक्षा विभाग को संज्ञान लेना पड़ा।

परीक्षा को लेकर अब तक निर्देश नहींः शिक्षक परिषद मुंबई विभाग के कार्याध्यक्ष शिवनाथ दराडे ने बताया कि स्कूलों में परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की तरफ से कोई निर्देश जारी नहीं हुआ। इसके बावजूद कई स्कूल अभिभावकों से कह रहे थे कि उन्हें ऑनलाइन पेपर भेजा जाएगा। वे घर पर बच्चों की निगरानी करते हुए परीक्षा लें और फिर उस उत्तर पुस्तिका को स्कूल में जमा करें। इसकी शिकायत शिक्षा विभाग के अधिकारियों से की गई थी। इस पर शिक्षा उपनिदेशालय की तरफ से बिना निर्देश परीक्षा न कराने के लिए कहा गया है।

सास की हत्या के आरोप में महिला और उसका प्रेमी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रेमी के साथ आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े जाने पर उसके साथ मिलकर सास की कथित तौर पर हत्या करने की आरोपी महिला और उसके प्रेमी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार राधा लाके और दीपक माने नामक दोनों आरोपियों ने महिला की सास सालूबाई लाके (57) की हत्या करने की बात कबूल ली है। उन्होंने बताया कि राधा लाके और माने को बोरिवली के महात्मा फुले इलाके से पकड़ा गया। अधिकारी ने कहा, बीते शुक्रवार को बुजुर्ग महिला ने अपनी बहू और माने को एक साथ अपने घर में पकड़ा और महिला के पति को उनके अवैध संबंध के बारे में बताने की धमकी दी थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों आरोपियों ने सालूबाई लाके से छुटकारा पाने की साजिश रची और

घर में ही कथित तौर पर पत्थर से उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों को पूछताछ के लिए बुलाया गया और पुलिस को पता चला कि आरोपी माने अक्सर उनके घर आया-जाया करता था। अधिकारी ने कहा कि माने से पूछताछ की गई और उसने गुनाह कबूल कर लिया। उन्होंने कहा कि भादसं की धारा 302 सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

घर बैठे करें संपत्ति कर की अदायगी, आएगी मनपा की मोबाइल वैन

संवाददाता

ठाणे। अपनी आय बढ़ाने की दिशा में ठाणे महानगर पालिका हरसंभव प्रयास कर रही है। संपत्ति कर भरने वालों की सुविधा के लिए मनपा ने अब मोबाइल वैन सेवा शुरू किया है, जो शहर के विभिन्न हिस्सों में घूमेगी और संपत्ति कर बटोरेगी। संपत्तिधारकों को आसानी से घर बैठे ही संपत्ति कर का भुगतान करने की सुविधा मिलेगी। ठाणे मनपा आयुक्त विपिन शर्मा की कल्पना तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सहयोग से वैन को उपलब्ध किया गया है। इस वैन को रिजर्व बैंक की सभी नियमावली को पूरा करते हुए शुरू किया गया है। वैन में कंप्यूटर, प्रिंटर, ऑपरेटर समेत सभी सुविधाएं हैं। वैन में सुरक्षा रक्षक को भी तैनात किया गया है। अगर किसी संपत्तिधारक को बिल नहीं मिला है और वह अपने संपत्ति संबंधी बिल को लेना चाहें, तो वह भी तत्काल वैन में मिल सकेगा। वैन में संपत्ति कर का भुगतान नकद और चेक के अलावा डेबिट कार्ड तथा एटीएम कार्ड से भी किया जा सकता है। संपत्ति कर के भुगतान की रसीद तुरंत संपत्ति धारक को मिलेगी। अगर कोई बड़ी सोसाइटी या कॉम्प्लेक्स की तरफ से वैन की मांग की जाएगी तो संबंधित सोसाइटी या कॉम्प्लेक्स में वैन को उपलब्ध किया जा सकेगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कोरोना प्रोटोकॉल और सुरक्षा के साथ अब सभी के लिए चलेगी मुंबई लोकल!

लॉकडाउन के ही वक्त से ही मुंबई में लोकल ट्रेन का संचालन बंद था, जिसे कि आंशिक रूप से धीरे-धीरे शुरू किया जा रहा है। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि मुंबई में लोकल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने को लेकर उसे कोई आपत्ति नहीं है और सामाजिक दूरी के नियम का पालन करके और मास्क पहन कर आम जनता भी इन सेवाओं का इस्तेमाल कर सकती है। अभी केवल उन्हीं लोगों को लोकल ट्रेनों में यात्रा करने की इजाजत है जो आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे हैं। कोविड-19 महामारी के कारण लोकल ट्रेन सेवाओं का सीमित संचालन हो रहा है। महाधिवक्ता आशुतोष कुम्भाकोनी ने शुक्रवार को अदालत को बताया कि सरकार रेलवे को पत्र लिखकर इस बारे में पहले ही अनुरोध कर चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया था जिसने इसे मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा था कि हर क्षेत्र अब खुल रहा है और ऐसे में लोकल ट्रेन की मांग भी बढ़ रही है इसलिए राज्य सरकार और रेलवे को मांग को देखते हुए फेरे बढ़ाने चाहिए। अदालत की टिप्पणी के बाद बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने एक और प्रस्ताव भेजते हुए आम लोगों को कोरोना नियमों के अनुसार लोकल ट्रेन में यात्रा करने की अनुमति दी जाए। विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, आम लोगों को पहली ट्रेन के संचालन से सुबह साढ़े सात बजे तक यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। इसके बाद सुबह 8 से 10.30 बजे तक आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को ट्रेन में यात्रा करने की इजाजत होगी। आम लोग 11 से 4 बजे तक फिर से ट्रेन में टिकट या पास लेकर यात्रा कर सकेंगे। इसके बाद 5 से 7.30 बजे तक का वक्त फिर आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए होगा। सभी के बाद रात 8 बजे से लास्ट लोकल तक का समय फिर आम लोगों के लिए होगा। इसके अलावा हर घंटे एक लेडिज स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी।

बिहार चुनाव में कॉन्ट्रोवर्सी

बुधवार सुबह से ही बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल का एक ऑडियो वायरल हो रहा था, जिसमें उन्होंने बिहार की ओबरा विधानसभा सीट से लोजपा उम्मीदवार डॉ. प्रकाश चंद्रा पर ब्लैकमेल और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। अमीषा ने दैनिक भास्कर से हुई बातचीत में इस बात की पुष्टि की है कि जो ऑडियो सुबह से वायरल हो रहा था, वो उन्हीं का है। चुनाव प्रचार के दौरान हजारों लोगों की भीड़ थी, जो पागलों की तरह गाड़ी को ठोक रही थी। प्रकाश चंद्रा ने मुझे गाड़ी से उतरकर भीड़ के बीच जाने के लिए कहा, जहां भीड़ कपड़े उछालने के लिए तैयार थी। वहां मेरा रेप भी हो सकता था। मुझे शाम को मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन प्रकाश चंद्रा ने मुझसे जबरन चुनाव प्रचार कराया। जब मैंने जाने की बात कही तो उन्होंने कहा कि हम तुम्हें इसी गांव में अकेला छोड़कर चले जाएंगे। जो मेरा साथ ऐसा कर सकता है, वो जीतने के बाद बाकियों के साथ कैसा करेगा अमीषा का कहना है, 26 अक्टूबर को मेरा बिहार आने का अनुभव बेहद बुरा रहा है। जो व्यक्ति चुनाव जीतने से पहले मेरी जैसी महिला के साथ ऐसा व्यवहार कर सकता है, तो वो चुनाव जीतने के बाद जनता के साथ कैसा व्यवहार करेंगे। प्रकाश चंद्रा झूठे, ब्लैकमेलर और गंदे इंसान हैं। अमीषा ने बताया कि बड़ी मुश्किल से मैं अपने स्टाफ के साथ मुंबई पहुंची हूं। इसके बाद मैंने मीडिया को यह पूरा मामला बताया। प्रकाश चंद्रा के स्टाफ ने आज (बुधवार) दिनभर मुझे और मेरे स्टाफ को फोन किया। पप्पू यादव के साथ साठगांठ होने की बात पर अमीषा ने कहा, मैं केवल वही कह रही हूं जो सच है। जब आदमी गलती होता है तो फिर वह कुछ भी बोलता है। प्रकाश चंद्र ऐसा ही कर रहे हैं। 10 लाख रुपए लेकर बयान बदलने की बात पर अमीषा ने कहा कि अगर ऐसा है तो उन्हें इस बात के सबूत देने चाहिए। अमीषा ने कहा, प्रकाश चंद्र के स्टाफ ने पिछली रात 20 कॉल्स किए हैं, मुझे ब्लैकमेल करने के लिए। मैंने अपने स्टाफ से कहा कि प्रकाश चंद्र और उसके स्टाफ के फोन नंबर ब्लॉक कर दें। हालांकि, उनके लोग अभी भी मेरे स्टाफ को फोन करके यह दबाव बना रहे हैं कि अमीषा मैम से बोलिए कि प्रकाश जी के लिए अच्छी बातें कह दें।

ऑनलाइन सम्मान समारोह में बॉलीबुड अभिनेत्री कंगना रनोट के संग फिल्मी हस्तियों को दिया गया गोल्डन अवार्ड

जालौन। उत्तरप्रदेश तीन दिनों तक चली ऑनलाइन महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गयी फिल्मो, शॉर्ट फिल्म, बेबसीरीज, डोक्युमेंट्रीज फिल्में ऑनलाइन प्लेटफार्म पर दिखाई गयी बेस्ट फिल्मो की घोषणा हो चुकी हैं। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आर्गनाइजर तथा डायरेक्टर गिरजा शंकर अग्रवाल ने बताया कि ऑनलाइन हुए समारोह में सभी सहयोगियों की सराहना की और आगामी मिलता रहेगा ऑनलाइन सम्मान समारोह में सुप्रसिद्ध बॉलीबुड अभिनेत्री कंगना रनोट के साथ साथ सम्रद्धि गुप्ता अभिनेत्री, शिवानी सिंह अभिनेत्री आग्रा, मनोज एम् मौर्य अभिनेता, सुभाष एम् वैष अभिनेता, अविरल जैन डायरेक्टर, सुषमा सोनलकर अभिनेत्री, सुरेश गोपाल मुर्किभावि अभिनेता,सुजीत सुमन,भोजपुरी फिल्म निमार्ता, रवि रमेश जाधव, डायरेक्टर, अहमद नगर, महाराष्ट्र, दिनेश शर्मा, डायरेक्टर, हिमाचल प्रदेश, उमाशंकर झा, महासचिव झारखंड फिल्म निर्माता संघ, रांची, अलका सिंह अभिनेत्री, मुस्कान इस्माइली, राइटर, अभिनेत्री, सोनिया महेश्वरी अभिनेत्री, ललित शुक्ला डायरेक्टर, मुंबई, अंशिका सिंह, अभिनेत्री, मुंबई, मीता दत्ता अभिनेत्री, स्वेता शर्मा, अभिनेत्री, दिल्ली, विजया श्री, अभिनेत्री, डायरेक्टर, तनु श्री मुखर्जी, प्रशांत पुंडीर अभिनेता, निर्माता गुरु सिंह आदि हस्तियों को गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया सभी को उनके पर्शनल व्हाट्सएप्प नंबर पर सर्टिफिकेट सेंड कर दिए गए हैं।

एनसीपी में शामिल हुए खडसे बन सकते हैं एमएलसी, राज्यपाल के कोटे से पहुंच सकते हैं विधान परिषद

मुंबई। महाराष्ट्र कैबिनेट राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास उन नामों का प्रस्ताव भेज सकती है, जिन्हें राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद में भेजा जाएगा। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन वाली महाराष्ट्र सरकार 12 नामों को राज्यपाल के पास भेज सकती है। बता दें कि महाराष्ट्र की सत्ताधारी महा विकास अघाड़ी इन्हीं तीन पार्टियों का गठबंधन है। तीनों ही पार्टियों के 4-4 नेताओं का नाम राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास भेजा जा सकता है। हाल ही में बीजेपी छोड़कर एनसीपी में आए एकनाथ खडसे को भी विधान परिषद भेजा सकता है। वो एनसीपी के कोटे से जा सकते हैं। इसके अलावा राजू शेट्टी को भी विधान परिषद का सदस्य बनाया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस की लिस्ट में उर्मिला मातोंडकर का नाम हो सकता है। रोचक बात ये है कि शिवसेना भी उर्मिला के संपर्क में है। बता दें कि महा विकास अघाड़ी में कई ऐसे नेता हैं जो असंतुष्ट बताए जाते हैं। इन असंतुष्ट नेताओं को शांत करने के लिए महाराष्ट्र कैबिनेट इन्हें राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद में फिट करने की कोशिश में है। बता दें कि एकनाथ खडसे हाल ही में एनसीपी से जुड़े हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से इस्तीफा देने वाले पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे बीते शुक्रवार को एनसीपी में शामिल हुए। उन्होंने पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में एनसीपी का दामन थामा। एनसीपी से जुड़ने के बाद एकनाथ खडसे बीजेपी पर जमकर बरसे थे।

फ्रांस के राष्ट्रपती द्वारा किए गए प्रेषित पैगंबर, मोहम्मद (स. अ) के अपमान की निंदा, अमरावती जिलाधिकारी के माध्यम से विदेश मंत्रालय को दिया गया निवेदन

मकसद हेल्पलाइन और रहबरीया फाउंडेशन शेर ए हिंद संघठन ने अमरावती जिलाधिकारी के माध्यम से विदेश मंत्रालय को निवेदन देते हुए कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपती मॅकरोन ने अपने एक भाषण में प्रेषित मोहम्मद (स. अ) पर आपत्ति जनक टिप्पणी की है, जिस से दुनिया भर के मुसलमानों की धार्मिक भावना आहात हुई है, हम भी मोहम्मद पैगंबर को लेकर फ्रांस के राष्ट्रपती द्वारा दिए गए आपत्ती जनक भाषण की कड़ी निंदा करते हैं, साथ ही आप के द्वारा उनसे आग्रह करते हैं कि फ्रांस की उस कार्टून कंपनी को जल्द बंद कराए जो बार बार मोहम्मद पैगंबर का कार्टून बना कर, उनकी शान मे गुस्ताखी कर रही है, और एक विशेष धर्म को निशाना बना रही है, इसी कारण भारत में फ्रांसिस वस्तुओ पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। निवेदन देते समय मकसद हेल्पलाइन के एड अथहर शमीम, मुजीब अहमद, सलमान खान एटिएस, शामाईल खान, सै. अवेज, हाफिज फैजान रजा, ईमरान रहेबर, शाह अनवार हुसैन, मतीन राज, अमीन शे, अनवर मकसद, कलीम शे, अंसार शे, असलम जी, अनवर रॉकी, रहीम राही, तोसीफ खान, अरशद खान आदि मौजूद थे।

ईद ए मिलाद उन नबी सादगी से मनाएं

संवाददाता

महाराष्ट्र में कोविड 19 कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज होने के कारण राज्य सरकार ने धार्मिक कार्यक्रमों पर पाबंदी लगाई हुई है जिसके चलते ईद ए मिलाद उन नबी के जुलूस की परवानगी नहीं मिली है। इसलिए सीरत अन नबी कमेटी अमरावती ने यह फैसला किया है कि जुलूसए मोहम्मदीया इस वर्ष नहीं निकाला जाएगा, सभी सरकारी दो आलम सल्लल्ल्लाहो वाले वसल्लम के चाहने वालों से गुजारिश है कि अपने घरों में रहकर ईद ए मिलाद उन नबी

के मौके पर कुरान खानी, मिलाद खानी, दुरूद खानी और तबरूक अपने घरों में अपने आस पड़ोस में बांटकर ईद ए मिलाद मनाएं और दुआएं करें। इस महामारी से बचने के लिए खुद भी और अपने परिवार को भी सुरक्षित रखें।

युटीए यवतमाल जिल्हा नई कार्यकरणी घोषित

सलीम खान जिल्हाध्यक्ष, मो. अयाज खान चुने गये जिल्हा कार्याध्यक्ष

यवतमाल। आज 25 अक्टूबर को उर्दू टीचर्स असोसिएशन (यूटीए) अमरावती विभाग ने यवतमाल जिले और यवतमाल शहर की गतिविधियों पर चर्चा करने तथा नई कार्यकारनी गठित करने के लिए यूटीए के विभागीय अध्यक्ष गाजी जाहेरोश सर की अध्यक्षता में हाजी अख्तर खान न. प. उर्दू हाय स्कूल,पुसद में सभी उर्दू टीचर्स असोसिएशन (यूटीए) यवतमाल जल्हा के पदाधिकारियों की एक अहम सभा बुलाई। अपने तीन वर्ष का सफलता पुर्वक कार्यकाल खत्म करके मौजूदा जिल्हा अध्यक्ष डा. इरशाद सर ने अपनी पद से इस्तीफा दिया। फलस्वरूप इसी सभा मे नई जिल्हा और शहर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस महत्वपूर्ण सभा में प्रमुख अतिथी स्वरूप जियाउद्दीन काजी सर पुसद, काझी सलाहुद्दीन सर अमरावती, वसिम पटेल सर यवतमाल, निसार सर दारव्हा, सइद सर दारव्हा मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए गाजी जहेरोश सर ने सभी यूटीए पदाधिकारियों से संघटन को मजबूत करने का अनुरोध किया। साथ ही हम सभी शिक्षकों से कहा कि वे इस लॉकडाउन में छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण दें ताकि बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए हर कोई अपनी राय दे सकता है और इस पर सहमति वाला निर्णय अमरावती मे होने वाली विभागीय सम्मेलन मे लिया जा सकता है। यूटीए ने हमेशा शिक्षकों और छात्रों के अधिकारों के बारे में बात की है। उन्होंने कटाक्ष करते हुये कहा कि शासन द्वारा लिए गये ऊर्दु विरोधी निर्णय के खिलाफ हम कभी एक साथ आएंगे? यह बात गाजी जाहेरोश सर ने अपने भाषण द्वारा सभा को संबोधित करते हुये रखी। इस अवसर पर सय्यद निसार सर और मुसद्दिक सर ने अपने भाषण द्वारा उर्दू टीचर्स असोसिएशन (यू टी ए) को मजबूत करने सहयोग करने का आशवास दिया। अंत में एकमत से सलीम खान सर अध्यापक हाजी अख्तर खान न. प. उर्दू हाय स्कूल,पुसद को जिला अध्यक्ष चुना गया। उसी तरह मो। अयाज खान सर रई वाई को यवतमाल जिल्हा कार्यअध्यक्ष चुना गया। नदिम सर सहायक शिक्षक उमर फारुख उर्दु हाय स्कूल पुसद को पुसद शहर अध्यक्ष तथा तारीक सर जामबाजार को पुसद तालुका अध्यक्ष चुना गया। यवतमाल जिल्हा सचिव शेख अकरम सर पुसद, उपाध्यक्ष सय्यद मोइन महागाव कस्बा, समिर सर उमरखेड, अ. समद सर फुलसावंगी, अतिक सर दिग्रस, इरफान पटेल यवतमाल, कोषाध्यक्ष अशफाक सर दारव्हा, संघटक मुसद्दिक सर फुलसावंगी, प्रसिद्धि प्रमुख मोहम्मद खालिद तगाले सदोबा सावळ्ी, सह-सचिव फहिमोद्दिन सर पुसद, खुबैब सर नेर परसोपंत, कार्यकारनी सदस्य मुख्तार सर मुलावा, नासिर सर बोरी अरब, नजीर सर महागांव कस्बा, खालीद सर आर्णी, तथा यवतमाल शहर अध्यक्ष पद पर सैय्यद मुजफ्फर सर कि दोबारा नियुक्ति कि गयी। उसी तरह रहमत सर यवतमाल, काझी जिया सर पुसद और डा. इरशाद खान की नियुक्ति विभागीय सदस्य के रूप मे की गयी। कार्यक्रम मे पुरे यवतमाल जिल्हा से करीब सौ युटीए पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन सलिम खान सर ने तथा आभार प्रदर्शन अतिक सर ने किया।

दरभंगा रैली में राहुल का मोदी पर हमला, कहा- दशहरे पर पहली बार पीएम का पुतला जलाया जा रहा

नई दिल्ली। बिहार में पहले चरण के मतदान के बीच जमकर चुनाव प्रचार चल रहा है। बीजेपी और कांग्रेस के दिग्गज नेता मैदान में उतरे हैं। एनडीए की ओर से जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कमान संभाले हैं तो वहीं महागठबंधन उम्मीदवारों के लिए राहुल गांधी प्रचार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने दरभंगा में रैली कर महागठबंधन के लिए वोट की अपील की है। उन्होंने पीएम मोदी और एनडीए के सीएम उम्मीदवार नीतीश कुमार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कृषि कानून पर पीएम मोदी को घेरा। राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब का किसान गुस्से में है। पंजाब में पहली बार दशहरे के मौके

पर नरेंद्र मोदी का पुतला जलाया गया। पंजाब के लोग बहुत होशियार हैं। एक तरफ उन्होंने अंबानी और अंडानी का चेहरा लगाया और बीच में नरेंद्र मोदी का चेहरा लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि किसान और दुकानदारों के दिल में आज गुस्सा है। वे नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार से गुस्सा हैं। ये गुस्सा बढ़ता जा रहा है। 2006 में बिहार के किसानों पर आक्रमण हुआ। यहां पर मंडी को खत्म कर दिया गया। बिहार के किसानों को सही दाम नहीं मिला। यहां का किसान कुछ भी कर ले उसे अपने अनाज के लिए सही दाम नहीं मिल सकता, क्योंकि यहां पर मंडी का सिस्टम खत्म कर दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार प्रधानमंत्री का पुतला दशहरा पर जलाया जा रहा है। पीएम रोजगार की बात नहीं करते हैं। नीतीश कुमार तेजस्वी यादव के परिवार के बारे में बोलते हैं। नरेंद्र मोदी मेरे परिवार के बारे में बोलते हैं। राहुल गांधी ने रोजगार से लेकर किसानों के मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार की जमकर आलोचना की। साथ ही लॉकडाउन के दौरान मजदूरों की स्थिति पर भी सरकार को घेरा।

पंकजा मुंडे ने की शरद पवार की तारीफ, एनसीपी में जाने की अटकलें शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र बीजेपी में इन दिनों हलचल मची हुई है। एकनाथ खडसे के बीजेपी छोड़ने और एनसीपी का दामन थामने के बाद चर्चा है कि अब अगली बारी किसकी है? खडसे दावा कर चुके हैं कि कई और बीजेपी नेता और विधायक बीजेपी छोड़ दूसरे दल में शामल होने वाले हैं। इनमें उन नेताओं की तादाद शामिल हैं जो देवेंद्र फडणवीस की कार्यशैली से नाखुश हैं और पार्टी में अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। इस कड़ी में दिवंगत पंकजा मुंडे ने शरद पवार की तारीफ कर बीजेपी आलाकामान को बेचैन कर दिया है। भाजपा की नेता और पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा शरद पवार की प्रशंसा की है। पंकजा ने कहा कि पवार साहब हैट्स ऑफ, आपकी एक के बाद एक मीटिंग और काम करने की क्षमता वाकई सराहनीय है। पंकजा ने ट्वीट कर पवार की कार्यशैली को लेकर सम्मान व्यक्त किया है।

बन रहा है नया समीकरण

जिस प्रकार से पंकजा मुंडे ने खुले दिल से शरद

पवार की तारीफ की है। उससे अब राजनीतिक हलके में नए कयास भी लगने शुरू हो चुके हैं। अब यह कयास लगने शुरू हो चुके हैं कि भविष्य में पंकजा मुंडे भी शरद पवार की पार्टी में शामिल हो सकती हैं। हाल ही में एकनाथ खडसे ने भाजपा छोड़कर राष्ट्रवादी पार्टी में प्रवेश किया है। एकनाथ खडसे की तरह पंकजा मुंडे को भी महाराष्ट्र में बीजेपी ने हाशिए पर रखा हुआ है।

कोरोना काल में भी कई जगहों का दौरा किया था

शरद पवार ने कोरोना महामारी के दौरान भी राज्य के कई शहरों में जाकर हालात का जायजा लिया था और लोगों की समस्याओं को समझने का प्रयास किया था। यह वो समय था जब दूसरे नेता अपने घरों से नहीं निकल रहे थे। पंकजा ने इसी बात का उल्लेख करते हुए कहा कि कोरोना काल में भी इतने दौरे और इतनी सारी मीटिंग्स आपने की हैं जो वाकई में अद्भुत है। पंकजा ने ट्वीट में लिखा है कि भले ही हमारी पार्टी विचारधारा और राजनीति अलग है, लेकिन गोपीनाथ मुंडे जी ने हमें कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति सम्मान दिखाना सिखाया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

महागठबंधन समर्थित माले उम्मीदवार रंजीत राम ने फीता काटकर किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

समस्तीपुर/कल्याणपुर। महागठबंधन समर्थित भाकपा माले उम्मीदवार रंजीत राम ने अपने चुनाव कार्यालय का फीता काटकर बुधवार को कल्याणपुर चौक पर उद्घाटन किया। मौके पर एक संक्षिप्त सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज कुमार ठाकुर ने किया। सभा को भाकपा के रामचंद्र राय, सुधीर कुमार देव, शत्रुधन पंजी, माकपा के भोला प्रसाद, राघवेंद्र राय, कांग्रेस के रंधीर कुमार, माले के जिला सचिव प्रो० उमेश कुमार, अमित कुमार,सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, ऐपवा जिलाध्यक्ष बंदना सिंह, दरभंगा के माले जिला सचिव बैजनाथ यादव, माले राज्य कमिटी सदस्य अभिषेक कुमार, सुखलाल यादव, मयंक, प्रिंस समेत राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा आदि के बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकताअ ने सभा को संबोधित किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए माले पोलिट ब्यूरो सदस्य प्रभात कुमार चौधरी ने कहा कि यह चुनाव शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ, विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं में फैले लूट- भ्रष्टाचार के खिलाफ के साथ देश, संविधान लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है। आज राज्य में दलित-गरीब- अक्लियतों.पर साजिश के तहत हमले किये जा रहे हैं। पुलिस पीड़ित को न्याय देने के बजाय सत्ता के ईशारे पर रसुखदार के पक्ष में खड़ी रहती है। तमाम कल-कारखानें बंद पड़े हैं. बेरूखी होकर कोरोना काल के शुरूआत में गाँव लौटे लोगों को काम की तलाश में पुनः बाहर जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में 15 साल के लूट-झूठ पर आधारित सरकार को गद्दी से वोट के जरीये उतार फेंकना होगा।

खबर के माध्यमों पर प्रशासनिक अंकुश अनुचितः बंदना सिंह

समस्तीपुर। खबर के तमाम माध्यमों चाहे वो पोर्टल या यूट्यूब न्यूज ही क्यों न हो, प्रशासनिक अंकुश अनुचित है. समस्तीपुर के रोसड़ा एसडीओ ब्रजेश कुमार द्वारा बिहार सुपरफास्ट खबर, रोसड़ा खबर, इंडिया समाचार, रोसड़ा तक, ताजा खबर बिहार, एमएनटी न्यूज, पी न्यूज, लाईव नाऊ, इंडिया समाचार, एसएन न्यूज समेत 10 पोर्टल एवं यूट्यूब चैनलों पर अनाप-शनाप आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराकर जनता को खबर से बंचित करने की कोशिश है और भाकपा माले एवं ऐपवा इसकी निंदा करते हुए तत्काल मामले की जांच कर एफआईआर वापस लेने की मांग अन्यथा चुनाव बाद आंदोलन चलाने की चेतावनी महिला संगठन ऐपवा जिलाध्यक्ष सह भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य बंदना सिंह ने दी है। उन्होंने कहा है कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अथवा पोर्टल या यूट्यूब चैनल हो, ये सब समाचार के माध्यम है। ये चौथे खंभे के प्रहरी हैं. रातदिन एक कर जनता तक खबर पहुंचाती है। अगर नियामक में गड़बड़ी है तो इसे त्रृटि मानकर सुधार करने का सलाह देना चाहिए, न की एफआईआर दर्ज करना। पोर्टल एवं यूट्यूब न्यूज पर एफआईआर दर्ज कराकर प्रतिनिधि को परेशान करना दमनात्मक कारबाई है। इससे जनता खबर से बंचित होगी। इसे हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अवाम महागठबंधन के उम्मीदवार को जिताएं : अंजारूल हक सहारा

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। उजियारपुर ब्लॉक के सातनपुर चौक स्थित इलियास मार्केट के प्रांगण में वतन विकास संगठन के बैनर तले प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में संगठन के सुप्रीमो सह हाई कोर्ट के अधिवक्ता अंजारूल हक सहारा ने कहा कि भारत की जनता आजादी के वक्त से लेकर अबतक वोट देने का काम करती आ रही है लेकिन वस्तु स्थिति यह होती है कि हर एक पार्टी जिसे जनता जिताने का काम करती है। वह यहां से जाकर भूल जाते हैं और विकास का काम पार्टी नही करती है और आखिरकार उससे नाराज होकर किसी दूसरे पार्टी को जिताने का मन बना लेती है। लेकिन यह भी पार्टी जितने के बाद जनता को निराश ही करती है। अवाम को सभी पार्टी ठगने का काम करती रहती है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि ऐसे नेता को वोट देकर कामयाब बनाये जो आम अवाम के बारे में भला कर सके। जिससे समाज का और क्षेत्र का विकास हो सके। वतन विकास संगठन के संस्थापक अंजारूल हक सहारा ने विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवार को जिताने की अवाम से अपील की। मौके पर सैयदुल जफर अंसारी,मो0 इम्तेयाज,मो0 जमील अख्तर खां आदि मौजूद थे।

मधुबनी हलचल

जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर महागठबंधन को वोट करें: नजरे आलम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार में मौजूदा विधानसभा चुनाव तय करेगा कि देश में धर्मनिरपेक्ष ताकतें मजबूत होंगी या सांप्रदायिक ताकतें मजबूत होंगी। देश में कानून का राज चलेगा या नफरत का बोल बाला होगा। मुझे आशा है कि राज्य का अधिकांश हिस्सा जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर धर्मनिरपेक्ष ताकतों को मजबूत करेगा। इन विचारों को व्यक्त करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने कहा कि इस चुनाव में मैदान में कई मोर्चे हैं, लेकिन असली मुकाबला एन०डी०ए० और महागठबंधन के बीच है। इन दोनों को छोड़ जिस मोर्चे को वोट दिया जाएगा उसका फायदा या नुकसान इन्हीं दोनों को होगा। नजरे आलम ने कहा कि ऐसे समय में राज्य के मतदाताओं, विशेष रूप से मुसलमानों को बहुत सोच-विचार और एकता के साथ मतदान करने की आवश्यकता है। एक ओर सी०ए०ए० और एन०आर०सी० लाने वाली पार्टी और उसके समर्थक हैं तो दूसरी ओर महागठबंधन है, जो नफरत की इस राजनीति को समाप्त करने के लिए मैदान में है। इस समय हमें एकजुट होकर धर्मनिरपेक्ष शक्तियों को सत्ता में लाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि भय और नफरत के माहौल को समाप्त किया जा सके। श्री आलम ने कहा कि पार्टी और गठबंधन को देखे बिना केवल मुस्लिम उम्मीदवारों को जिताने का कोई भी प्रयास बेहद हानिकारक साबित होगा। यदि हम इस प्रथा को अपनाते हैं, तो हमारे दूसरे भाइयों में इसका बहुत खराब संदेश जाएगा और हम कहीं के नहीं रहेंगे। नजरे आलम ने कहा कि हमें उम्मीदवार का धर्म देखे बगैर इस बुनियाद पर वोट करना है कि उसका संबंध धर्मनिरपेक्ष ताकतों से है या साम्प्रदायिक ताकतों से। जो मुस्लिम नेता पार्टी में रहते हुए अपनी पार्टी सीएए के समर्थन से न रोक सके, जिसने लींचिंग के विरोध में कभी आवाज नहीं उठायी और सिर्फ अपने सियासी आकाओं का माला जपते रहे उन्हें जिताकर हम अपना ही नुकसान करेंगे। वे हमारे वोट से जीतने के बाद हमारे खिलाफ बनने वाले कानून का समर्थन करेंगे। ऐसे लोगों को हर हाल में हराना है। नजरे आलम ने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि वे छोटी पार्टियों के जाल में न पड़ें और एकजुट होकर महागठबंधन के उम्मीदवारों को ही अपना बहुमूल्य वोट डालें।

बुलढाणा हलचल

रिडास इंडिया कंपनी ने 11.5 लाख रुपये के निवेशक को धोखा दिया कंपनी के खिलाफ बुलढाणा सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

बुलढाणा। बेंगलोर स्थित रिडास इंडिया कंपनी ने बुलडाणा में एक निवेशक से 11 लाख 50 हजार रुपये का निवेश किया था और मूल रिटर्न का भुगतान करने में विफल रहा, असल रक्कम और मुनाफे का भुगतान न करने की शिकायत 27 अक्टूबर को रिडास कंपनी के मालिक और एक अन्य के खिलाफ बुलडाणा शहर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शहर के ईकबाल नगर टीपू सुल्तान चौक, के रहने वाले फियार्दी साजिद अब्दुल हसन देशमुख ईन्होने 7 मार्च, 2017 से 28 सितंबर, 2018 दरम्यान तक, खुद के परिवार के माता, पिता, भाई, पत्नी ईन के एनएफटी और आरटीजीएस के माध्यम से बैंगलोर की Ridas India कंपनी में 11 लाख 50 हजार रुपये का ईन्वेस्ट किया। इस कंपनी के मालिक और निदेशक अयूब हुसैन और मो. अनीस अयमान दोनों रा. बैंगलोर ने मूल राशि के बदले में अच्छा मुनाफा और मुल राशी रिटर्न देने का लालच दीय था। लेकीन, कंपनी द्वारा कोई राशि का भुगतान नहीं किया गया और कई लोगों के साथ धोखाधडी की गई ईस बीना पर शिकायतकर्ता ने 27 अक्टूबर को शहर के पुलिस स्टेशन में कंपनी के शिकायत दर्ज कराई गई। जब पुलिस ने पूछताछ की, तो पता चला कि शिकायतकर्ता और उसके परिवार वालों को 11 लाख 50 हजार रुपये का मुनाफे का लालच देकर लुट लिया। इस बीच, कंपनी के मालिक और निर्देशक मो. अयूब हुसैन और मो. अनीस अयमान पर भंडवी की धारा 420,406,409,34 और महाराष्ट्र डिपॉजिट फाइनेंशियल प्रोटेक्शन एक्ट की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थानेदार प्रदीप साळुखे के मार्गदर्शन में सपोनि नंदकिशोर काळे द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

एमआईएम पार्टी ने दानिश अजहर को शहर अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया

बुलढाणा। एमआईएम पार्टी के शहर अध्यक्ष मो. दानिश अजहर को नियुक्त किया गया। नियुक्ति का पत्र कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गफ्फार कादरी ने औरंगाबाद में प्रधान कार्यालय में सौंपा गया। मो. दानिश पिछले कई वर्षो से पार्टी से जुड कर काम कर रहे हैं। उनके कार्य अनुभव के आधार पर, यह नियुक्ति तीसरी बार की गई थी। इस मौके पर मो दानिश ने कहा कि वह इस पद के जरिए पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे।उनकी नियुक्ति का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गफर कादरी, सोहेल जलील, अब्दुल मोहिन, फि रोज लाला, मो। इस अवसर पर सिराजुद्दीन, अब्दुल नाज़िम, बुलदाना जिले के आरिफ पहलवान, ए. गफर, वसीम पटेल, इमरान खान, साई, समीर, मुनव्वर खान, एडवाइज मिर्जा आदि उपस्थित थे।

हत्या करके फरार आरोपी को बुलडाणा पुलिस जेजूरी पुणे से किया गिरफ्तार

बुलढाणा। करीब 12 दिनों से लापता 21 वर्षीय सुजाता समधन खरात मृत अवस्था में मृत पाई गई।पुलिस की एक जांच में सामने आया है कि इस मामले के एक फरार आरोपी भीमराव भास्कर खिलारे को साखरखेड़ा पुलिस ने जेजुरी पुणे से साखरखेड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। आरोपी को 31 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय समधन त्र्यंबक खरात रा. राणांत्री ता. चिखली ने अपनी 21 वर्षीय बेटी सुजाता के लापता होने के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पिछले अक्टूबर शाम 7 को उसने अपनी बहन उज्जवला को बताया कि भीमराव भास्कर खिलारे (उम्र 30) से सिम कार्ड लेकर वापस आती हुं। लेकीन वह तब से घर नहीं है। शिकायतकर्ता समधन खरात ने भी संदेह व्यक्त किया था कि भीमराव खिलारे ने उसकी हत्या की होगी। उसी दिन शिकायत की गई थी उसी दिन रणतन्त्री शिवारा में एक कपास के खेत में एक स्त्री की लाश एक विघटित अवस्था में पाई गई थी। पुलिस ने शव की स्थिति पर धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया। साखरखेड़ा पुलिस ने भीमराव की तलाश की लेकिन वह फरार हो गया था। उसे खोजने के लिए एक टीम भेजी गई। साइबर पुलिस की मदद लेकर मोबाइल लोकेशन से आरोपी को पुणे के जेजुरी में से गिरफ्तार कर लिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डायबिटीज मरीजों के लिए सही डाइट प्लान, क्या खाएं और किसे कहें ना

आजकल हर 4 में से 3 लोग डायबिटीज यानी ब्लड शुगर बीमारी का शिकार है। इसका बीमारी का सबसे बड़ा कारण आपका लाइफस्टाइल है। यह बीमारी खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने के कारण होती है, जिसका मुख्य कारण गलत खान-पान भी है। खान-पान की आदतों में थोड़ा बदलाव करके इस बीमारी के खतरे को कम किया जा सकता है और साथ ही इससे ब्लड शुगर भी कंट्रोल होता है।

एक शोध के अनुसार खान-पान की आदतों को थोड़ा सुधार करके इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि डायबिटीज के दौरान आपको किन चीजों का सेवन करना चाहिए और किन का नहीं। तो चलिए जानते है डायबिटीज के दौरान आपका लिए डाइट प्लान किस तरह का होना चाहिए।

इन चीजों का करें सेवन

1. तुलसी के बीज

तुलसी के बीज, जैतून का तेल, अलसी, बादाम का सेवन डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद होता है।

2. सिरका

डायबिटीज में शुगर कंट्रोल करने के लिए सिरका सबसे अच्छा उपाय है। भोजन करने के पहले 2 चम्मच सिरका लेने से ग्लूकूज का फ्लो कम हो जाएगा।

3. दालचीनी

दालचीनी शरीर की सूजन को कम करने के साथ इंसुलिन लेवल को नियंत्रित करता है। भोजन के बाद चाय या गर्म पानी में एक चुटकी दालचीनी पाउडर मिक्स करके पीएं।

4. प्रोटीन डाइट

जो लोग नॉन वेज खाते हैं उन्हें अपनी डाइट में लील मीट शामिल करना चाहिए। और नॉनवेज न खाने वाले लोग अपनी डाइट में सोया, गेहूं, नट्स, पनीर, ग्रीन टी, ताजे फल और सब्जियों का सेवन करें।

5. मेथी

मेथी के दाने का रोजाना सेवन भी शुगर कंट्रोल करता है। प्रतिदिन सुबह खाली पेट इसकी सब्जी, आटे में मिलाकर या दाल के साथ नियमित रूप से खाएं।

6. फाइबर

खून में से शुगर को सोखने में फाइबर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसके लिए आपको गेहूं, ब्राउन राइस या वीट ब्रेड आदि खाना चाहिए। यह शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल करके डायबिटीज का खरतरा कम करता है।

इन चीजों का न करें सेवन

1. फास्ट फूड

फास्ट फूड में ना केवल खूब सारा नमक होता है बल्कि इसमें शुगर और काबोर्हाइड्रेट्स तेल भी होता है। यह शरीर में ब्लड शुगर लेवल को बढाने का काम करते हैं।

2. तेल और शुगर युक्त चीजें

अपने डाइट प्लेन में से घी और नारियल तेल के अलावा पूरी, कचौड़ी, समोसा, पकौड़े आदि चीजों को भी निकाल दें। इसके अलावा गुड़, शक्कर, मिश्री, चीनी, मुरब्बा, शहद, पिज्जा, बर्गर, क्रीम रोल, आइसक्रीम तथा सॉफ्ट ड्रिंक जैसे चीजों से भी परहेज करें।

3. नमक

रोजाना नमक का कम से कम सेवन करें। ज्यादा नमक खाने से शरीर में हार्मोनल खराबी पैदा होती है और इससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

4. चावल और अन्य चीजें

डायबिटीज मरीज को ज्यादा चावल और आलू का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा बाउन राइस, व्हाइट ब्रेड, नूडल्स, नाश्ते में अनाज, मीठे बिस्कुट, चिप्स, पास्ता, ज्यादा प्याज, टमाटर का मीठा सॉस, मीठी दही, परांठे, मैदा और डिब्बाबंद फल का सेवन भी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

घर पर बनाएं मेकअप सेटिंग स्प्रे, लंबे समय तक रहेगा चेहरे पर बरकरार

आजकल मेकअप लड़कियों की जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। लड़कियां मेकअप के बिना घर से बाहर निकलना भी पसंद नहीं करती। मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाने के लिए कुछ लड़कियां मेकअप स्प्रे का इस्तेमाल करती है लेकिन बाजार से मिलने वाले मेकअप स्प्रे में केमिकल्स होते हैं, जो स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा यह काफी मंहगे भी होते है। इसकी बजाए आप घर पर ही केमिकल फ्री मेकअप स्प्रे बना कर अपने मेकअप को सेट कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपका मेकअप भी ज्यादा समय तक चलेगा। तो आइए जानते है मेकअप को ज्यादा समय तक सेट रखने के लिए केमिकल फ्री स्प्रे बनाने का तरीका।

सामग्रीः

वेजिटेबल ग्लिसरीन- 2 टेबलस्पून
गुलाब जल- 8 टेबलस्पून
विच हैजल- 2 टेबलस्पून
पानी- 4 टेबलस्पून
सिटर ऑयल- 4 बूंदें
स्प्रे बोतल- 1

मेकअप स्प्रे बनाने का तरीका

1. सबसे पहले कीप की मदद से 2 टेबलस्पून ग्लिसरीन को बोतल में डाल लें।
2. इसके बाद इसमें 8 टेबलस्पून गुलाब जल और 2 टेबलस्पून विच हैजल को डालकर मिक्स करें।
3. इसके बाद इसमें 4 टेबलस्पून पानी मिलाएं और अच्छी तरह शेक करें।
4. अब इसमें 4 बूंदें सिटर ऑयल की डालकर दोबारा मिक्स करें।
5. अब आप मेकअप करने के बाद इसे 3-4 बार चेहरे पर स्प्रे करें।
6. यह केमिकल-फ्री सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को लंबे वक्त तक खराब होने से बचाएगा।

कंसीलर की कमी को इन ट्रिक्स से पूरा करके खुद को दें फ्लॉलेस लुक

आजकल लड़कियां हर वक्त अपने चेहरे पर मेकअप करके रखती है। कुछ लड़कियां चेहरे के दाग-धब्बों को छुपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल भी करती है। इसलिए कंसीलर मेकअप किट का सबसे जरूरी हिस्सा बन चुका है लेकिन कई बार मेकअप करते समय आपको पता चलता है कि कंसीलर खत्म हो चुका है। बाजार से कंसीलर खरीदने का समय नहीं होता और बिना इसके आपकी लुक खराब लगने लगती है। ऐसे में आप घर पर कुछ आसान से जुगाड़ करके कंसीलर की कमी को पूरा कर सकती हैं। तो आइए जानते है ऐसे आसान ट्रिक्स, जो कंसीलर की कमी को पूरा करके आपको सुदंर और फ्लॉलेस लुक देते हैं।

1. फाउंडेशन का करें इस्तेमाल

पिंपल्स या मार्क्स को छुपाने के लिए फाउंडेशन को डॉट फॉर्म में लगाएं और उंगलियों से इसे चेहरे पर अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसकी दो लेयर लगाने के बाद ट्रांसल्युसेंट पाउडर लगाकर अच्छी तरह सेट कर लें और मेकअप करें।

2. BB या CC क्रीम

इसी दो लेयर चेहरे पर लगाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। इससे आपको मीडियम कवरेज मिलेगा। इसे लगाने के बाद चेहरे पर ब्राइट मेकअप करें।

3. ब्राइट मेकअप

फाउंडेशन या क्रीम लगाने के बाद आंखो पर स्मोकी मेकअप करें और इसके साथ होंठो पर भी ब्राइट लिप कलर का इस्तेमाल करें। इससे लोगों का ध्यान चेहरे से हटकर इन मेकअप लुक्स पर जाएगा।

इस तरह लगाएं लिपस्टिक, नहीं रहेगा होठों पर फैलने का डर

लिपस्टिक औरत के श्रृंगार का अहम हिस्सा है। लिपस्टिक चेहरे की खूबसूरती को ओर भी बढ़ा देती है। बिल्कुल परफैक्ट तरीके से लगी लिपस्टिक चेहरे को खूबसूरत लुक देती है लेकिन बहुत सी लड़कियों को इसे लगाने का सही तरीका नहीं पता होता, जिस वजह से होंठो पर लगी लिपस्टिक फैल जाती है या फिर दांतों पर लग जाती है। उन्हीं महिलाएं में से कुछक की शियाकय होती है कि उनके होंठो पर लगा लिप शेड ज्यादा समय तक नहीं टिक पाता। इसका कारण होता है लिपस्टिक लगाने का सही तरीका न पता होना। आज हम आपको लिपस्टिक लगाने के कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनसे लिपस्टिक होंठो पर अधिक देर तक टिकी रहेगी।

तो आइए जानते है उन टिप्स के बारे में:-

1. होंठ हमारे शरीर का सबसे संवेदशील हिस्सा होता इसलिए

उनकी केयर करना भी उतना ही जरूरी है। समय- समय पर होंठों को स्क्रबिंग करें। स्क्रबिंग के साथ ही लिप्स को मॉइश्चराइज करना भी जरूरी है। इसके अलावा होंठों पर लिप-बाम या ग्लिसरीन का उपयोग करें। स्वस्थ होंठों पर लिपस्टिक ज्यादा देर तक टिकी रहती है।

2. होंठों की आउट लाइन बनाएं। इस बात का ध्यान रहें कि जिस कलर की आप लिपस्टिक लगा रहें है उससे हल्के रंग के लिप पेंसिल से ही आउट लाइन बनाएं। ऐसा करने से लिपस्टिक लगाना आसान हो जाएगा और यह लंबे समय तक होंठों पर लगी रहेगी।

3.लिपस्टिक दो कोट में लगाएं। इससे लिपस्टिक जम जाती है और फैलने का डर नहीं रहता।

4. लिपस्टिक लगाने से पहले लिप्स पर पाउडर लगाएं। इससे लिपस्टिक पूरी तरह से सेट हो जाएगी और ज्यादा देर तक टिकी रहेगी।

5. फ्रिज में लिपस्टिक रखने से ये मेल्ट नहीं होती और होंठों पर ज्यादा देर तक टिकी रहती है।

6. हमेशा लिप ब्रश की मदद से ही लिपस्टिक लगाएं जिससे वह एक दम सही तरीके से होंठों पर लगेगी और बाहर भी नहीं फैलेगी।

7.मार्किट में कई तरह की लिपस्टिक मिल जाती हैं। ऐसे में अगर आपकी लिपस्टिक फैल जाती है तो हमेशा मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें। यह दांतों पर नहीं लगती और लंबे समय तक होंठों पर लगी रहती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉलिवुड की नई इच्छाधारी नागिन बनेंगी श्रद्धा कपूर

'स्त्री' और 'छिछोरे' में धमाकेदार परफॉर्मेंस देने के बाद श्रद्धा कपूर अब बॉलिवुड में एक नया किरदार निभाने जा रही हैं जो एक भारतीय लोककथा पर आधारित होगा। श्रद्धा ने एक तीन फिल्मों की सीरीज साइन की है जो एक इच्छाधारी नागिन की कहानी पर आधारित होगी। इस तरह अब फैन्स को श्रद्धा कपूर एक ग्लैमरस नागिन के अवतार में देखने को मिलेंगी। वैसे श्रद्धा कपूर से पहले वैजयंतीमाला, रीना रॉय, रेखा और श्रीदेवी भी फिल्मों में नागिन का किरदार निभा चुकी हैं। श्रद्धा कपूर से पहले श्रीदेवी ने इच्छाधारी नागिन के किरदार वाली दो फिल्मों की सीरीज नगीना और निगाहें की थी जिनमें उनके नागिन के किरदार को आज भी याद किया जाता है। ऐसे में श्रद्धा कपूर के लिए श्रीदेवी के परफेक्शन तक पहुंचना बहुत कठिन होने वाला है। फिल्म को लेकर श्रद्धा कपूर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह फिल्म में नागिन का किरदार निभाकर बेहद खुश होंगी क्योंकि उन्होंने बचपन में श्रीदेवी को नागिन के किरदार में देखा था और हमेशा से ऐसा किरदार निभाना चाहती थीं। अभी तक फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है लेकिन इसे विशाल फूरिया डायरेक्ट करेंगे जिन्होंने 2017 की मशहूर मराठी फिल्म 'लपाछपी' बनाई थी। फिल्म को निखिल द्विवेदी प्रड्यूस करेंगे और इसमें लव स्टोरी का भी ऐंगल होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि इसमें श्रद्धा के ऑपोजिट किसे कास्ट किया जाता है।

कंगना ने फिर करण को किया टारगेट

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत आजकल सोशल मीडिया पर अपनी ऐक्टिविटीज को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। कंगना लगातार सोशल मीडिया के जरिए अपने विरोधियों पर निशाना साध रही हैं। हाल में कंगना ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्ममेकर करण जौहर पर एक बार फिर जोरदार हमला बोला है। पिछले काफी समय से कंगना नेपोटिजम के मुद्दे को लेकर करण जौहर पर हमलावर हैं। दरअसल करण जौहर की प्रॉडक्शन टीम इस समय शकुन बत्रा के डायरेक्शन में बन रही फिल्म की शूटिंग गोवा में कर रही है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में हैं। एक रिपोर्ट सामने आई थी कि पिछले महीने हुए शूट के दौरान इस फिल्म की प्रॉडक्शन टीम ने कथित तौर पर गोवा में काफी गंदगी और कूड़ा-करकट फैलाया था। इसी रिपोर्ट को ट्वीट करते हुए कगंना ने लिखा, इनका असंवेदनशील और गैरजिम्मेदाराना रवैया एकदम भयावह है, फिल्म यूनिट्स में महिलाओं की सुरक्षा के लिए, आधुनिक पारिस्थितिक संरक्षण के तरीकों, बेहतर मेडिकल सुविधाओं और कर्मचारियों के लिए बेहतर खाने के लिए सख्त नियमों की जरूरत है। हमें जरूरत है कि सरकार इन नियमों के पालन का काम एक खास तौर पर एक विभाग को दे।

'बधाई दो' के बाद 'चुपके चुपके' के रीमेक की शूटिंग करेंगे राजकुमार राव

बॉलिवुड ऐक्टर राजकुमार राव को इस समय सबसे टैलेंटेड ऐक्टर्स में से एक माना जाता है। वह पिछले काफी समय से बड़े पर्दे पर हर तरह के रोल और हर जॉनर की फिल्में कर रहे हैं। काफी सीरियस और इंटेंस किरदार निभाने के बाद लगता है कि राजकुमार राव का ध्यान कॉमिडी पर ज्यादा लग गया है। हाल में घोषणा हुई थी जल्द ही राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म 'बधाई दो' की शूटिंग भूमि पेडनेकर के साथ शुरू करेंगे। यह फिल्म सुपरहिट मूवी 'बधाई हो' का सीक्वल है। अब खबर है कि इस फिल्म के तुरंत बाद राजकुमार यादगार कॉमिडी फिल्म 'चुपके चुपके' की शूटिंग शुरू करेंगे।